सत्यमेव जयते

भारत सरकार

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र, उत्तर प्रदेश, लखनऊ

हिन्दी कार्यशाला

दिनांक : 30 सितंबर 2026

राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र, उत्तर प्रदेश राज्य केंद्र द्वारा दिनांक 30 सितंबर 2026 को "डेटा से डिजिटल विश्वास तक "इंटरनेट युग में Application Security एक यात्रा" विषय पर हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य सचिव **श्री राजेन्द्र गुप्ता द्वारा** किया गया। सचिव महोदय द्वारा अपर राज्य सूचना-विज्ञान अधिकारी (मुख्यालय), **श्री अजय गोपाल भरतारिया** का पुष्पगुच्छ भेंट कर हार्दिक स्वागत किया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत मुख्य वक्ता **श्री रोहित कुमार शर्मा, वैज्ञानिक-डी** द्वारा **"डेटा से डिजिटल विश्वास तक: इंटरनेट युग में एप्लिकेशन सुरक्षा की यात्रा"** विषय पर एक ज्ञानवर्धक एवं तकनीकी व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। अपने व्याख्यान में उन्होंने वर्तमान इंटरनेट युग में एप्लिकेशन सुरक्षा की बढ़ती प्रासंगिकता, साइबर सुरक्षा से संबंधित चुनौतियों, डेटा संरक्षण तथा डिजिटल प्रणालियों की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के विभिन्न पहलुओं पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। उन्होंने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सुरक्षित एप्लिकेशन का विकास न केवल तकनीकी आवश्यकता है, बल्कि डिजिटल सेवाओं की विश्वसनीयता बनाए रखने तथा उपयोगकर्ताओं के डेटा की गोपनीयता, अखंडता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने का एक महत्वपूर्ण आधार भी है। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को साइबर सुरक्षा के प्रति सजग रहने तथा डिजिटल संसाधनों के सुरक्षित एवं उत्तरदायित्वपूर्ण उपयोग के लिए प्रेरित किया।

यह व्याख्यान प्रतिभागियों के लिए एप्लिकेशन सुरक्षा, डेटा संरक्षण तथा डिजिटल विश्वास के पारस्परिक संबंधों को समझने की दृष्टि से अत्यंत उपयोगी रहा। सत्र के माध्यम से डिजिटल परिवेश में सुरक्षित एवं विश्वसनीय सेवाओं की स्थापना हेतु साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता और सतर्कता के महत्व को रेखांकित किया गया।

कार्यशाला के समापन अवसर पर **श्री राजेन्द्र गुप्ता** द्वारा सभी कार्यशाला में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि राजभाषा हिन्दी का प्रभावी प्रयोग प्रशासनिक कार्यों को अधिक सरल, सुगम, पारदर्शी एवं जनोन्मुखी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने डिजिटल युग में तकनीकी विषयों की जानकारी हिन्दी के माध्यम से साझा करने तथा कार्यालयीन कार्यों में राजभाषा के प्रयोग को प्रोत्साहित करने के महत्व पर भी बल दिया।

कार्यशाला का आयोजन राजभाषा कार्यान्वयन समिति, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र, उत्तर प्रदेश द्वारा किया गया। कार्यशाला के सफल आयोजन में समिति के सदस्य **श्री प्रसून पांडे**, **सुश्री श्रुति पंत, श्री सितांशु राय, श्री संतोष कुमार मिश्र एवं श्री पवनजीत सिंह** का योगदान सराहनीय रहा।

कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ:





